हिन्दी (पत्र -1)

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर

पाश्चात्य काव्य शास्त्र अंक - 10

नोट - सभी प्रश्न करने अनिवार्य है, सभी के अंक समान है।

1. प्लेटो के गुरू थे -

(क) अरस्तु (ख) सुकरात (ग) होरेस (घ) डार्विन

2. प्लेटो की रचना नहीं है -

(क) इओन (ख) रिपब्लिक (ग) पोलितेइया (घ) पेरिपोइतिकेस

3. 'अनुकरण सत्य से तिगुना दूर है' माना है -

(क) प्लेटो (ख) अरस्तु (ग) सुकरात (घ) लोंजाइनस

4. अरस्तु का जन्म स्थान है -

(क) एथेन्स (ख) स्तगिरा नगर (ग) खलकिस नगर (घ) पालमीरा में

5. अरस्तु का काव्यलोचन ग्रन्थ है -

(क) पेरिइप्सुस (ख) पेरिपोइतिकेस (ग) प्रोलतेरियस (घ) इओन

6. 'काव्य को प्रकृति की अनुकृति' माना है -

(क) प्लेटो (ख) अरस्तु (ग) इलियट (घ) रिचर्ड्स

7. अरस्तु ने 'त्रासदी' के कितने अंग माने हैं -

(क) आठ (ख) बारह (ग) छह (घ) चार

8. त्रासदी का अंग नहीं है —

(क) चरित्र (ख) कथानक (ग) मंगलाचरण (घ) विचार

9. 'कैथार्सिस' का अर्थ है -

(क) अनुकरण (ख) शुद्धिकरण (ग) आनन्द (घ) विचार

10. 'विरेचन सिद्धान्त' के प्रवर्तक -

(क) इलियट (ख) रिचर्ड्स (ग) अरस्तु (घ) क्रोचे

Scanned by TapScanner

(11) प्लेटो और अरस्तु के बाद तीसरा महत्वपूर्ण नाम प० काव्यशास्त्री में है-
(क) डलियट (ख) रिचर्डस (ग) क्रोचे (घ) लोंजाइनस

(12) 'पेरिइप्सुस' के रचयिता हैं -
(क) क्रोचे (ख) लोंजाइनस (ग) कालरिज (घ) रिचर्ड्स

(13) लोंजाइनस ने उदात्त के कितने स्रोत माने हैं -
(क) चार (ख) पांच (ग) छह (घ) सात

(14) लोंजाइनस ने कितने काव्य-दोष माने हैं -
(क) तीन (ख) चार (ग) पांच (घ) छः

(15) लोंजाइनस के अनुसार काव्य दोष नहीं है -
(क) वागाडम्बर (ख) बालेयता (ग) भावाडम्बर (घ) अभिजात पद-रचना

(16) 'बायोग्राफिमा लिटरेरिया' के रचनाकार हैं —
(क) वर्डसवर्थ (ख) डालियट (ग) कॉलरिज (घ) रिचर्ड्स

(17) 'लिरिकल बैलेड्स' के रचनाकार हैं —
(क) डलियट (ख) रिचर्ड्स (ग) वर्डसवर्थ (घ) कालरिज

(18) 'काव्य जीवन की आलोचना है' ऐसा मानते हैं -
(क) मैथ्यू आर्नल्ड (ख) रिचर्ड्स (ग) क्रोचें (घ) अरस्तु

(19) मूलतः दार्शनिक और सौन्दर्यशास्त्री हैं -
(क) कॉलरिज (ख) क्रोचें (ग) रिचर्डस (घ) अरस्तु

(20) 'कल्पना मानव-मस्तिष्क की बिंब-विधायनी शक्ति है' मानते हैं —
(क) वर्डसवर्थ (ख) कॉलरिज (ग) क्रोचें (घ) इलियट

Scanned by TapScanner